5

कलीसियाः

इसकी स्थापना (2)

यूहन्ना से स्वर्गारोहण तक राज्य

1. ज़्या कलीसिया और राज्य एक ही संस्था हैं (मत्ती 16:18, 19)? प्रभु की मेज़ कहां होनी थी (लूका 22:29, 30)? लेकिन कुरिन्थुस में यह कहां थी (1 कुरिन्थियों 11:18-22)?
2. किसने प्रचार किया कि राज्य निकट है (मत्ती 3:1, 2)?
3. मसीह ने ज़्या कहते हुए अपना प्रचार आरज़्भ किया (मत्ती 4:17)?
4. सीमित आज्ञा (लिमिटेड कमीशन) में प्रेरितों ने ज़्या प्रचार किया (मत्ती 10:7)?
5. राज्य के बारे में उन सज़र लोगों ने ज़्या प्रचार किया (मत्ती 10:9)?
6. चेलों को कैसे प्रार्थना करने के लिए सिखाया गया था (मत्ती 6:10)?
7. अन्तिम भोज के समय, यीशु ने राज्य के विषय में ज़्या कहा था (लूका 22:18)?
8. क्रूस पर मर रहे डाकू की अन्तिम बिनती ज़्या थी (लूका 23:42)?
9. स्वर्गारोहण से थोड़ा पहले, किसने राज्य को फैलने के लिए कहा था (प्रेरितों 1:6)? इसलिए, ज़्या इस समय से पहले राज्य स्थापित हो सकता है?

सार

पिन्तेकुस्त के पहले		पिन्तेकुस्त के बाद
1. ''निकट है''		राज्य का भाग, प्रकाशित 1:6
2. ''निकट आता है''		राज्य में प्रेवश कराया, कुलु 1:13, 14
3. ''आता है''	पिन्तेकुस्त	राज्य दे दिया, प्रेरितों 2:30
4. ''आएगा''		सामर्थ से आया, प्रेरितों 2:1-4
5. ''ढूंढ़ रहे''		3000 सदस्य बने, प्रेरितों 2:38, 41
6. ''बनाएगा''		यरूशलेम में बना, प्रेरितों 2:47; 8:1; 11:22

यीशु तथा कलीसिया

1. **उसकी ''प्रतिज्ञा'' के नीचे दी गई बातों और ''पूरा होना'' के नीचे दिए गए हवालों को पढ़कर उनकी तुलना करें।**

उसकी प्रतिज्ञा (मत्ती 16:16-19)		पूरा होना (प्रेरितों 2:14-41)
1. बनाऊंगा		1. बनाई, 2:30, 47
2. इस चट्टान अर्थात सत्य पर		2. प्रभु और मसीह, 2:36
3. कुंजियां पतरस को	पिन्तेकुस्त	3. पतरस ने कुंजियां इस्तेमाल कीं 2:36-41
4. पतरस ने बांधा		4. शर्तें सब पर लागू, 2:36-41
5. पतरस ने खोला		5. 3,000 को खोला गया, 2:38, 41

2. **तो फिर कलीसिया की स्थापना कब हुई (प्रेरितों 2:1)?**

राज्य का सामर्थ के साथ आना

1. **नीचे दी गई ''भविष्यवाणी'' का विश्लेषण पढ़ें और प्रेरितों के काम के हवालों से दिखाएं कि यह भविष्यवाणी कैसे पूरी हुई थी।**

भविष्यवाणी (मरकुस 9:1)		पूरी हुई (प्रेरितों 2:1-4)
1. सामर्थ आएगी		1. सामर्थ आई, 2:1-4
2. राज्य का सामर्थ के साथ आना	पिन्तेकुस्त	2. राज्य दिया गया, 2:30
3. कुछ लोग इसे देखने के लिए जीवित होंगे		3. कुछ लोग जीवित थे, 2:14
4. कुछ पहले मर जाएंगे		4. यहूदा मर गया था, 1:16-18

2. **तो फिर कलीसिया की स्थापना कब हुई थी (प्रेरितों 2:1)?**

कलीसिया के अस्तित्व की पांच आवश्यक बातें

1. **सुसमाचार के तीन मूल तथ्य: उनका नाम बताएं (1 कुरिन्थियों 15:3, 4)। यदि मसीह मुर्दों में से जी नहीं उठा, तो उससे होने वाली सात बुराइयां बताएं (1 कुरिन्थियों 15:13-19)।**
2. **चौथी अनिवार्यता: क्षमा किसके नाम से होती है (लूका 24:47क; प्रेरितों 2:38)?**

3. पांचवीं अनिवार्यता: पवित्र आत्मा ने ज़्या करना था (यूहन्ना 14:26; 16:8, 13)?

क. ये पांच अनिवार्यताएं कहां से आरज़्भ होनी थीं (लूका 24:46, 47) ?

ख. चेलों ने इन बातों का प्रचार कब करना था (लूका 24:48, 49) ?

(1) मसीह के रहते, उन्होंने इन बातों का प्रचार ज़्यों नहीं किया था। वे बातें अभी तथ्य नहीं थीं ज़्योंकि पहले उनका तथ्य बनना आवश्यक था। फिर जब तक वह उन पर प्रकट नहीं हुआ तब तक किसी भी चेले को उसके मुर्दों में से जी उठने पर यकीन नहीं था। नीचे दिए गए प्रमाण पर ध्यान दें:

(2) चेलों को यीशु के जी उठने का समाचार कैसे मिला (मरकुस 16:11, 14) ?

(3) थोमा को पहले यह समाचार किसने दिया (यूहन्ना 20:24, 25) ? तो फिर कलीसिया की स्थापना कब हुई थी ?

इसकी स्थापना तब हुई जब ये पांचों अनिवार्यताएं स्थापित तथ्य बन गईं।

ग. पतरस के पहले प्रवचन (संदेश) में इन पांच अनिवार्यताओं को ढूंढ़ें (प्रेरितों 2:4, 23, 24, 32, 33, 38)। तो फिर कलीसिया की स्थापना किस दिन हुई थी (प्रेरितों 2:1) ?